बिहार में घूरिया उर्वरक की कमी

6197. **श्री विनायक प्रसाद यादव :** क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि बिहार में उर्वरकों, विशेषकर यरिया की गत रबी की बुवाई के समय भारी कमी थी जिसके परिणामस्वरूप रबी की फसल बुरी हालत में है, और

(ख) बिहार को 1977-78 और 1976-77 में पृथक पृथक कितने टन उर्वरक सप्लाई कि गए और उसमें यरिया कितनी मात्रा में था ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) जी नहीं । रबी 1977-78 के मामम में बिहार में न केवल उर्वरक की पर्याप्त मात्रा ही सप्लाई की गयी थी अपितु राज्य में 1-8-1977 को 1 14 लाख मीटरी टन उर्वरक का बफर स्टाफ भी रखा गया था । इसके अतिरिक्त प्राप्त सूचनाओं के अनुसार बिहार में गेहूं तथा अन्य रबी की फसलों के उत्पादन की सम्भाव्यता अच्छी है ।

(ख) वर्ष 1976-77 के दौरान 0 88 लाख मीटरी टन की तुलना में बिहार को वर्ष 1977-78 (फरवरी 1977 से जनवरी 1978 तक) 1 52 लाख मीटरी टन उर्वरक पोषक तत्वों की सप्लाई की गयी थी । उपर्युक्त मात्रा में से 1977-78 के दौरान राज्य को 2 18 लाख मीटरी टन यूरिया की सप्लाई की गई थी जबकि 1976-77 में केवल 1 77 लाख टन की सप्लाई की गई थी ।

Benefit of Irrigation to Cultivators of Ruffled and Uneven Land

6198 SHRI DALPAT SINGH PARASTE Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether it is in the knowledge of Government that the land under cultivation in the country is not of one type at all the places and somewhere it is uneven and ruffled, and somewhere it is gravelly and full of stones where irrigation work is not easily possible, and

(b) if so the steps taken or proposed to be taken by Government to give the benefits of irrigation to the cultivators of such lands?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) Yes Sir Land under cultivation in the country varies from region to region depending upon local geological and physiographical factors Development and utilisation of irrigation in some areas are more difficult than in others

(b) The steps taken or proposed to be taken include

(i) Undertaking ground water investigations and development in all areas including hard rock areas and bouldary formations,

(ii) Undertaking Major & Medium Irrigation projects after due soil surveys and arranging for land levelling and shaping in the command areas, so that lands can be irrigated efficiently,

(iii) Providing institutional finances for construction of well/tubewells etc as well as for land development;

(iv) Undertaking measures for stabilisation of ravinous areas and providing irrigation facilities.